राजभाषा प्रकोष्ठ

***

राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान
(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)
कटक-753006 (ओडिशा)

राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक-753006 (ओडिशा)

(भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद)

राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान धान के शोध पर कार्यरत अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त अनुसंधान संस्थान है। भारत सरकार द्वारा इसकी स्थापना सन 1946 में कटक में की गई थी। संस्थान का प्रशासनिक नियंत्रण बाद में सन 1966 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली को हस्तांतरित किया गया। यह भारत सरकार, नई दिल्ली के कृषि मंत्रालय का एक स्वायत्त निकाय है। राजभाषा नियमों की दृष्टि से यह संस्थान क्षेत्र ' ग ' (अर्थात् हिंदीतर भाषी क्षेत्र) में अवस्थित है।

संस्थान में राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन पर सूचनापरक संक्षिप्त विवरण

1. संस्थान में प्रधान वैज्ञानिकों, वरिष्ठ वैज्ञानिकों, वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों को हिंदी में प्रवीणता/कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त है। संस्थान को राजभाषा नियम, 1976 के नियम 8(4) के अंतर्गत भारत के राजपत्र में अधिसूचित कार्यालय है।

2 . संस्थान राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2016 से **नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कटक** को अध्यक्ष कार्यालय घोषित है। संस्थान के निदेशक नराकास, कटक के अध्यक्ष तथा सहायक निदेशक, राजभाषा नराकास के सचिव हैं।

3.संस्थान द्वारा नियमित रूप से **नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति** की बैठकें आयोजित की जाती हैं तथा समय समय पर नराकास, कटक के सदस्य कार्यालयों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण तथा हिंदी सम्मेलनों का आयोजन किया जाता है।

4. संस्थान में राजभाषा नियमों के अनुपालन की निगरानी हेतु एक उच्च स्तरीय **राजभाषा कार्यान्वयन समिति** गठित है जिसके अध्यक्ष स्वयं संस्थान के निदेशक महोदय हैं। समिति का गठन इस प्रकार है।

1. निदेशक---------- -अध्यक्ष
2. अध्यक्ष, फसल उन्नयन प्रभाग----------सदस्य
3. अध्यक्ष, फसल उत्पादन प्रभाग----------सदस्य
4. अध्यक्ष, फसल सुरक्षा प्रभाग----------सदस्य
5. अध्यक्ष, फसल शरीक्रियाविज्ञान एवं जैवरसायन प्रभाग----------सदस्य
6. अध्यक्ष, समाजविज्ञान प्रभाग-- ----------सदस्य
7. मुख्य प्रशासनिक अधिकारी----------सदस्य
8. वित्त एवं लेखा अधिकारी----------सदस्य
9. सहायक निदेशक (राजभाषा)---------- सदस्य सचिव
10. हिंदी अनुवादक----------सदस्य

5. राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की **हिंदी शिक्षण योजना** के अंतर्गत प्रतिवर्ष संस्थान में नवनियुक्त तथा हिंदीतर भाषी क्षेत्रों के वैज्ञानिकों/कर्मचारियों का नामांकन किया जाता है तथा

संस्थान में हिंदी की कक्षाएँ आयोजित की जाती हैं।

6. संस्थान में राजभाषा नियमों एवं निर्देशों के अनुपालन हेतु हिंदी प्रकोष्ठ कार्यरत है जिसका संगठन इस प्रकार है-

(i) सहायक निदेशक (राजभाषा) - श्री आशुतोष कुमार तिवारी
(ii) हिंदी अनुवादक - श्री बिभु कल्याण महांती
(iii) हिंदी टंकक - श्री रंजन साहु

7. राजभाषा विभाग द्वारा प्राप्त निर्देशों के तहत प्रतिवर्ष संस्थान में हिंदी पुस्तकों का क्रय किया जाता है। संस्थान के पुस्तकालय में हिंदी-अंग्रेजी शब्दकोश, शब्दावलियां, अन्य सहायक साहित्य तथा हिंदी साहित्य की पुस्तकों सहित कुल 800 हिंदी पुस्तकें हैं।

8. संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष राजभाषा पत्रिका **'धान'** का प्रकाशन किया जाता है। इस पत्रिका को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा 2016 में ग क्षेत्र हेतु गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रिका पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है।

9. संस्थान द्वारा नियमित रूप से हर तिमाही में **'एनआरआरआई सूचनापत्र'** द्विभाषी (हिंदी-अंग्रेजी) रूप में प्रकाशित किया जाता है।

10. संस्थान का **'वार्षिक प्रतिवेदन'** प्रतिवर्ष संपूर्ण रूप से हिंदी में प्रकाशित होता है।

11. संस्थान में रबड़ की मोहरें द्विभाषी अर्थात हिंदी तथा अंग्रेजी हैं।

12. संस्थान में सभी साइनबोर्ड (प्रभागों, अनुभागों, प्रयोगशालाओं, नेट हाउसों आदि के नाम) तथा सभी प्रधान वैज्ञानिकों, वरिष्ठ वैज्ञानिकों, वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों के नामपट्ट ओड़िया, हिंदी तथा अंग्रेजी में लिखे गए हैं।

13. संस्थान के 165 कंप्यूटरों में से 155 कंप्यूटरों में हिंदी तथा अंग्रेजी में काम करने की सुविधा है। इनमें आईलीप तथा आईएसएम यूनिकोड साफ्टवेयर संस्थापित किया गया है।

14. राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अधीन द्विभाषी अर्थात हिंदी-अंग्रेजी रूप में कागजात जारी किये जाते हैं।

15. हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में ही दिया जाता है।

16. संस्थान द्वारा नियमित रूप से हिंदी में कृषि प्रसार साहित्य (बुलेटिन) का प्रकाशन होता है।

बुलेटिन का नामः

1. धान में जस्ताहीनता का प्रबंधन
2. धान किस्म तपस्विनी की खेती
3. धान आधारित सी आर आर आई भूसी एवं चोकर चूल्हा

4 दुर्गा–उड़ीसा के तटीय जलाक्रांत एवं गहराजल धान क्षेत्रों में अधिक उपज देने वाली धान किस्म
5. पूजा-उथली जमीन में अधिक उपज देने वाली धान किस्म
6. सरला-उड़ीसा के तटीय मध्यम गहरा जलाक्रांत वर्षाश्रित निचली जमीन में उपज देने वाली धान किस्म
7. हीरा कम अवधि धान किस्म
8. पौषणिक सुरक्षा एवं अधिक आमदनी के लिए धान पुआल मशरूम
9. सिंचित क्षेत्रों में छोटे एवं सीमांत किसानों के लिए धान-आधारित कृषि प्रणाली
10. धान की फसल में अजोला का जैवउर्वरक के रूप में प्रयोग
11. संकर धान की खेती
12. सी आर आर आई धान प्ररोपक
13. वानस्पति उत्पाद आधारित धान के प्रध्वंस रोग का प्रबंधन
14. केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान- एक परिचय
15. भंडारित धान कीटों का समन्वित प्रबंधन
16. सजावटी मछलियां : चावल पारिस्थितिक्यों में प्रजनन एवं संवर्धन
17. गहराजल चावल उत्पादन प्रौद्योगिकी
18. स्वर्णा-सब 1-तटीय उड़ीसा के वर्षाश्रित निचलीभूमि वाले कम गहरे बाढ़ प्रवण क्षेत्रों के लिए अधिक उपज देने वाली एक आशाजनक धान किस्म
19. वर्षाधान-तटीय उड़ीसा के वर्षाश्रित अर्द्ध-गहरे निचलीभूमि क्षेत्रों के लिए अधिक उपज देने वाली धान की किस्म
20. धान की सघन कृषि प्रणाली
21. सिंचित तथ बोरो भूमि के लिए अधिक उपज देने वाली धान की किस्म
22. गहरे जल भराव वाले क्षेत्रों के लिए बहुस्तरीय चावल-मछली तथा बागवानी पर आधारित खेती प्रणाली
23. धान की खेती के लिए मासिक फसल कैलेंडर
24. धान की फसल में अजोला
25. सीआर धान-701(संकर चावल के लिए उत्पादन प्रौद्योगिकी)
26. सीआर धान-500 (ओडिशा तथा उत्तर प्रदेश के वर्षाश्रित निचलीभूमि तथा जलाक्रांत क्षेत्रों के लिए अधिक उपज देने वाली चावल की किस्म)
27. धान के समुचित भंडारण एवं कुटाई से अधिक चावल प्राप्त करने हेतु दिशानिर्देश
28. परिवर्तित जलवायु में वर्षाश्रित ऊपरीभूमि तथा सूखा प्रवण क्षेत्रों में धान की खेती
29. संकर चावल राजलक्ष्मी की खेती की विधि
30. संकर चावल अजय की खेती की विधि
31. पूर्वी भारत में हरित क्रांति का विस्तार (बीजीआरईआई)- तकनीकी मैनुएल एवं दिशानिर्देश

17. हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

संस्थान में हर साल हिंदी पखवाड़ा मनाया जाता है। हिंदी पखवाड़ा का शुभारंभ 14 सितंबर हिंदी दिवस के मनाए जाने के साथ होता है। इसके पश्चात संस्थान में हिंदी एवं हिंदीतर भाषी के कर्मचारियों के लिए अलग-अलग हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। पखवाड़े के अंत में समापन/पुरस्कार वितरण समारोह मनाया जाता है। इस अवसर पर किसी प्रतिष्ठित स्थानीय हिंदी साहित्यकार को आमंत्रित करके

उनके कर कमलों से सभी प्रतियोगियों को पुरस्कार तथा सम्मानपत्रों से सम्मानित किया जाता है।

18. तिमाही हिंदी प्रगति रिपोर्ट

यह रिपोर्ट हर तिमाही में नियमित रूप से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि भवन, नई दिल्ली-110001 मुख्यालय को भेजी जाती है तथा इसकी प्रतिलिपि क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (पूर्व), कोलकाता को भी भेजी जाती है।

19. मूल काम हिंदी में करने के लिए प्रोत्साहन योजना लागू

संस्थान में कर्मचारियों द्वारा अपना मूल काम हिंदी में किए जाने से संबंधित प्रोत्साहन योजना लागू की गयी है।

20. वार्षिक कार्यक्रम का अनुपालन

संस्थान में हिंदी के प्रयोग के लिए प्रतिवर्ष राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम की प्रतिलिपि सभी प्रभागों एवं अनुभागों तथा संस्थान के उप-केंद्रों में अनुपालन हेतु परिचालित किया जाता है।

21. मिसिल का द्विभाषी आवरण पृष्ठ

संस्थान में मिसिल के आवरण पृष्ठ को हिंदी एवं अंग्रेजी द्विभाषी रूप में प्रकाशित किया गया है तथा इसके प्रथम आवरण पृष्ठ के द्वितीय पृष्ठ में कर्मचारियों की सुविधा के लिए कार्यालयीन कामकाज में प्रयुक्त आम पदबंधों को भी हिंदी एवं अंग्रेजी द्विभाषी रूप में मुद्रित किया गया है।

22. द्विभाषी पहचान पत्र

संस्थान के कर्मचारियों के पहचान पत्र के शीर्ष को हिंदी तथा अंग्रेजी द्विभाषी रूप में मुद्रित किया गया है।

23. द्विभाषी डाक-सूची

संस्थान से न्यूजलेटर तथा वार्षिक प्रतिवेदन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के विभिन्न संस्थानों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों तथा भारत के अन्य प्रतिष्ठानों आदि को भेजने के लिए हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषी डाक-सूची तैयार की गई है।

***